



## Hindustan Times

### POLL PERSONNEL RECEIVED REMUNERATION VIA E-PAYMENT: UPCEO

**LUCKNOW :** The UP chief electoral officer (UPCEO) Navdeep Rinwa, on Thursday, at the end of the election process for Navdeep the 2024 Lok Sabha polls, said



that the elections were successfully accomplished and thanked all the voters, all personnel related to the election, including the security personnel, the political parties, all candidates, and the media.

In a statement, he said that during these polls, several new tech tools were incorporated into the election process such as the voters' helpline, C-Vigil, and some mobile phone tools.

The Model Code of Conduct was strictly implemented, and the enforcement agencies checked and acted on cases of illicit liquor seizure, cash seizure, and other related confiscations.

"I am extremely thankful to voters for exercising their franchise despite the severe summer heat. The voters proved that ultimately, it is the voters who are the real winners of the polls. Also, all the election duty personnel diligently worked despite the severe heat," he said. **HTC**



अमर उजाला

# एनडीए के नेता चुने गए मोदी, आठ को तीसरी बार लेंगे पीएम पद की शपथ

नायट-नीतीश समेत सहयोगी दलों के नेताओं ने सौंपे समर्थन पत्र, पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भेजे जा रहे निमंत्रण

अमर उजाला छ्यूटी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भाजपा के नेतृत्व वाले गढ़ीय बनातीत्रिक गठबंधन (एनडीए) का सर्वोच्चमंत्र से नेता चुन लिया गया है। तेलुगु देश पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायटू, व जनता दल-न्यू के अध्यक्ष नीतीश कुमार संगते 14 बठक दलों के नेताओं ने उन्हें समर्थन पत्र सौंप दिए। मोदी आठ जून को लापत्रार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद को शपथ लेंगे। शपथ समाप्ति में पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास पर बुक्सर को हुई एनडीए की बैठक में पौष्टि मोदी के नेतृत्व में भरोसे जताते हुए प्रस्ताव पारित किया गया। अब बुक्सर को एनडीए के संसदीय दल के नेताओं की बैठक के बाद भाजपा संसदीय दल की बैठक में उन्हें नेता चुना जाएगा। इसी दिन मोदी राष्ट्रपति के सम्मेलन मरकार बनाने का दावा पेश करें। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया, एनडीए सरकार अपनी विरासत को संरक्षित करते हुए देश के विकास और लोगों के जीवन सर को क्रपर उठाने के लिए काम करना जारी रखेंगे।



एनडीए की बैठक में पीएम मोदी का अभिवादन करते बंदबाबू नायटू और नीतीश कुमार। ज्ञा

मोदी के नेतृत्व में जीत : नायटू  
नायटू ने मोदी को एनडीए की जीत की हैट्रिक का शिखकार बताया। कहा, पीएम  
मोदी की बदलत एनडीए को बहाना निल  
मुड़ में नज़र आए। उन्होंने मोदी से कहा,  
मध्ये का समर्थन आपके स्वयं है। हमारा पास  
हूँ तो प्रति देश की अपेक्षा बढ़ गई है।  
हम सभी वर्गों की अपेक्षा बढ़ गई है।

अब देव किस बात की : नीतीश  
बैठक के दौरान नीतीश बैठक तलक-कुलक  
मुड़ में नज़र आए। उन्होंने मोदी से कहा,  
मध्ये का समर्थन आपके स्वयं है। हमारा पास  
बहुत है। ऐसे में अब देव किस बात की।  
आप जल्द से जल्द सरकार बनाने का  
दावा कर पीएम पद की शपथ ले।

सबके लिए हमेशा उपलब्ध : मोदी ने कहा, यह ऐतिहासिक क्षण है। आजादी के बाद  
दूसरी बार जोड़े सरकार समन्वय तीसरी बार आ रही है। भाजपा व एनडीए के लिए देश  
समर्पित है। मैं सभी के लिए हमेशा उपलब्ध हूँ। देश को स्विकृति व आलिंगनीर बनाने  
का यापिल एनडीए पर है। इस कार्यक्रम में हम दूसरों मजबूत नीत रखेंगे।

पीएम ने इस्तीफा सौंपा, 17वीं लोकसभा भंग

पीएम मोदी ने बृहवार को अपने दूसरे बार्यकाल में कैविनेट को अंकित किया जाए। इसके बाद, राष्ट्रपति से मूलाकात कर उन्हें  
इस्तीफा सौंपते हुए लोकसभा भंग करने की सिफारिश की।  
राष्ट्रपति ने तकसल प्रधान से 17वीं लोकसभा भंग कर दी और  
नई सरकार के गठन को देखा। योद्धे से पद पर बने रहने को कहा।  
वर्तमान लोकसभा का कार्यकाल 16 जून तक है।

## 40% अंक लाने वाले मना रहे जरन

पीएम ने शपथ के बाद समाजे पर तंज किया। कहा, 95  
पीएसटी ऑक लाने वाला उदास है, यार 40 पीएसटी ऑक  
लाने वाला जिसी रक्त पास होने वाला उत्तम में है। पीएम  
ने कहा कि लोकसभा में सेंटों की लंबाई चारों-बड़ती है,  
यार आम चुनाव में जनरेशन हमें मिलता है। >> पैज़ 10

## इन्हें किया आमंत्रित

शपथ ज्ञान का साथी बनने के लिए  
मोदी पड़ोसी देशों के राष्ट्र उपर्युक्तों जो  
अन्यान कर रहे हैं। इनमें भूटान नेपाल  
विहारी लोक नेपाली बाह्यकारी, श्रीलंका  
के राष्ट्रपति रीताल विकासनीरें,  
नेपाल के पीएम पुष्पकमल दाहल  
प्रचंड, वांचालेश्वर की पीएम सेत्य  
हसीना व महिलाओं के राष्ट्रपति  
प्रविद नुगाल शर्मिल हैं।

## आज का दिन अहम

नई सरकार के गठन के  
लिए बुहल्सातिवार का दिन  
आया है। सरकार के  
सहायोगी नई भौतिकारिक  
की लेवर भाजपा नेतृत्व  
को अपनी अपेक्षाएं  
बहाएँ। जदू व टीडीपी  
की सरकार में प्राप्ती  
मौजूदगी की उम्मीद है।

अमर उजाला

मालान		राष्ट्रसंगठन में स्वाधिक 19 हजार से ज्यादा नोटा में गए, इससे 15 हजार से अधिक नोटों के साथ तूम्हे नंबर पर		
बुंदेलखंड और पूर्वचिल में नोटा का बटन सबसे ज्यादा दबा				
<b>अप्रैल कालाना भूगो</b>				
उत्तराखण्ड। नोटा का हालात बदले के बड़ाते में एकट्रोलीन के बहुत बुंदेल में अवल आए। चारी 19, हजार से ज्यादा नोटों के बढ़े में वह वही तारीखी में 15000 से ज्यादा नोटों में था। अनियंत्र, बहुताय, बोट, कैशावान, बोलोंकी में भी तृप्त नोटा चारा ट्रैक ट्रैक नोटों के बूझावाने के मालानामें नोटों का बहुत नोटा का प्रयोग किया। चूंकि संघटन ने भी नोटा का बहुत उत्तर दक्षान नोटों की इच्छा किया।	<b>नोटा का डाटा</b>			
उत्तराखण्ड 7014 उत्तराखण्ड 7649 उत्तराखण्ड 4934 उत्तराखण्ड 1952 उत्तराखण्ड 7448 उत्तराखण्ड 9333 उत्तराखण्ड 5900 उत्तराखण्ड 6858 उत्तराखण्ड 4234 उत्तराखण्ड 8562 उत्तराखण्ड 5100 उत्तराखण्ड 52664 उत्तराखण्ड 8187 उत्तराखण्ड 13235	उत्तराखण्ड 9021 उत्तराखण्ड 8221 उत्तराखण्ड 6260 उत्तराखण्ड 7761 उत्तराखण्ड 11229 उत्तराखण्ड 4466 उत्तराखण्ड 6925 उत्तराखण्ड 9005 उत्तराखण्ड 10212 उत्तराखण्ड 7144 उत्तराखण्ड 9447 उत्तराखण्ड 5156 उत्तराखण्ड 8266 उत्तराखण्ड 7534	उत्तराखण्ड 4345 उत्तराखण्ड 8120 उत्तराखण्ड 7793 उत्तराखण्ड 5279 उत्तराखण्ड 13234 उत्तराखण्ड 8211 उत्तराखण्ड 1065 उत्तराखण्ड 3518 उत्तराखण्ड 9055 उत्तराखण्ड 7681 उत्तराखण्ड 13453 उत्तराखण्ड 8814	उत्तराखण्ड 6299 उत्तराखण्ड 11154 उत्तराखण्ड 6329 उत्तराखण्ड 1322 उत्तराखण्ड 3249 उत्तराखण्ड 14887 उत्तराखण्ड 4818 उत्तराखण्ड 88566 उत्तराखण्ड 4517 उत्तराखण्ड 12567 उत्तराखण्ड 7931 उत्तराखण्ड 9762 उत्तराखण्ड 7094	उत्तराखण्ड 2350 उत्तराखण्ड 5303 उत्तराखण्ड 9745 उत्तराखण्ड 5653 उत्तराखण्ड 19032 उत्तराखण्ड 4566 उत्तराखण्ड 7549 उत्तराखण्ड 7217 उत्तराखण्ड 9227 उत्तराखण्ड 8490 उत्तराखण्ड 5872 उत्तराखण्ड 9672 उत्तराखण्ड 6958 उत्तराखण्ड 1369 उत्तराखण्ड 9433 उत्तराखण्ड 8478

अमर उजाला

## लोकसभा चुनाव में खूब हुआ तकनीक का इस्तेमाल : रिणवा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निवाचन अधिकारी नवदीप सिंहवा ने मतदाताओं, निवाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों, सुरक्षाकर्मियों



मध्यमंत्र अधिकारी इन-निवाचन

मूलन, अगोहसाहस्रनाथ द्वारा निपाति समय में लखनऊ एवं प्रतीक्षित निवाचनकारी से विद्युत धन्दा, गहलू, मौरी, मौरीलिलि, लखनऊ के अन्तर्गत इंटेंडरिंग के नाम से निवाचन आयोजित की जाती है। निवाचकारी द्वारा पूर्ण कार्य की भाँति रेतु प्रस्तुत देता है - ज.प., निवाच विभाग मंत्र, कार्य का विवरण, प्रोहर धनवाणि

तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान नई तकनीकों एवं नवाचारों का इस्तेमाल किया गया। बोट हेप्ट लाइन, सौ-विजिल, बोर्ड टर्नओवर, सालम, सुविधा,

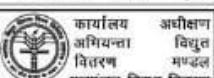


पहली बार निर्वाचन इयरी में लगे कर्मचारियों को इ-पेमेंट मत देने का अवसर मिले इसके लिए, एवंत्र, निष्ठा और समावेशी चुनावी प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया।

उन्होंने यह भी बताया कि केवलइंसी जैसे मोबाइल एप का प्रयोग कर अनेक नवाचार किए गए। प्रयोक्त मतदाता को अपने

बैंक खातों में इ-पेमेंट के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व यह राजि नकद दी जाती थी। मुख्य निवाचन अधिकारी ने बताया कि 16 मार्च से 4 जून के दौरान कानून व्यवस्था बनाते रखने के लिए भारत निवाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़वा से अनुपालन किया गया।

उन्होंने प्रबंध गर्मी में भी करारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं, ईयानदारों से काम करने वाले मतदान और मतगणना कार्मिकों और सुरक्षाकालों का भी आभार व्यक्त किया।



कार्यालय अधीकारी  
अधिकारी विभाग  
मध्यमंत्र  
मध्यमंत्र विभाग  
मध्यमंत्र विभाग

इन-निवाचन द्वारा, अगोहसाहस्रनाथ द्वारा

नियन्त्रित कर्यालय हेतु याय में अनुचित य

ज्ञान विभाग में जारी किया गया।

### उत्तर देल्ही

आतंकी अत्याकाश

रेल दावा अधिकरण

कोर्ट नं. 14, 15, 16 पुराना हाई कोर्ट परिवार, केसरबाग, लखनऊ

11 महीने की अवधि के लिए अख्यायी आधार पर एक संविधा आयुलिक के लिए



# यूपी में 70 पर उम्र के 10 सांसद

## फैजाबाद लोकसभा सीट से जीते अवधेश प्रसाद सबसे बुजुर्ग

राज्य ब्लूरो, जागरण• लखनऊ : उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव जीतने वाले 10 प्रत्याशी ऐसे हैं जिनकी उम्र 70 साल या उससे अधिक है। फैजाबाद सीट से चुनाव जीते सपा के अवधेश प्रसाद सबसे बुजुर्ग हैं। उनकी उम्र 79 वर्ष है। वहीं मथुरा से भाजपा की हेमामालिनी 75 साल की हैं। दुमरियागंज से भाजपा से ही जीते जगदंबिका पाल की आयु 74 साल है।

वाराणसी से चुनाव जीते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उम्र 73 साल है। लखनऊ लोकसभा सीट से चुनाव जीते निवर्तमान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की उम्र 72 साल है। मेरठ लोकसभा सीट से चुनाव जीते भाजपा के अरुण गोविल की आयु भी इतनी ही है। लालगंज सुरक्षित सीट से चुनाव जीते सपा के दरोगा प्रसाद सरोज की आयु 71 वर्ष है। वहीं गाजीपुर से सपा के अफजाल अंसारी, बस्ती से सपा के राम प्रसाद चौधरी और अकबरपुर सीट से जीते भाजपा के देवेन्द्र सिंह भोले की उम्र 70 साल है।

वहीं, 45 साल से कम आयु के 16 सांसद हैं। सबसे कम उम्र के सपा के कौशांबी सीट से जीते पूर्णेन्द्र सरोज हैं। इनकी उम्र 25 साल ही है।



नरेन्द्र मोदी      राजनाथ सिंह



अरुण गोविल      हेमामालिनी

- नवनिर्वाचितों में 16 ऐसे सांसद जिनकी आयु 45 साल से कम

मछलीशहर सुरक्षित से जीतीं सपा की प्रिया सरोज की उम्र 25 साल सात महीने हैं। कैराना से सपा की इकरा हसन 29 साल की हैं। कैसरगंज लोकसभा सीट से जीते भाजपा के करण भूषण सिंह की उम्र 33 वर्ष, संभल से सपा के जियाउररहमान बर्क 35, बिजनौर से आरएलडी के चंदन चौहान 35 और बदायूँ से सपा के आदित्य यादव की उम्र भी 35 साल ही है। नगीना सुरक्षित सीट से जीते आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर की उम्र 36 साल है। फिरोजाबाद से सपा के अक्षय यादव की उम्र 37 साल है। खीरी से चुनाव जीते सपा के उत्कर्ष वर्मा की 38 साल और बाराबंकी से कांग्रेस से जीते तनुज पुनिया की उम्र 39 साल है। मीरजापुर से चुनाव जीती अपना



अवधेश प्रसाद      अफजाल अंसारी  
दल (एस) की अनुप्रिया पटेल की 43 साल, पटा से सपा के देवेन्द्र शाक्य की 42, हाथरस से भाजपा के अनूप वाल्मीकि की 44 साल हैं। फूलपुर से भाजपा के प्रवीण पटेल व आजमगढ़ से सपा से जीते धर्मेन्द्र यादव की उम्र 45 साल है। 17 वीं लोकसभा में सबसे उम्रदराज सांसद संभल से सपा के शफीकुर्रहमान बर्क थे। अभी कुछ समय पहले उनका निधन हो गया था। लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 25 साल उम्र होना जरूरी है।

दैनिक जागरण

# आइएनडीआई ने खुला रखा सरकार बनाने का विकल्प

विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने कहा सही समय पर उठाएंगे उचित कदम



नई दिल्ली में बुधवार को आइएनडीआई के नेताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से वार्ता करते मलिलकार्जुन खरणे ● शशांक

संजय निश्चल ● जागरण

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव के नतीजों को भाजपा और पीएम नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जनादेश बताते हुए, विपक्षी गठबंधन आइएनडीआईपे ने केंद्र में सरकार बनाने के विकल्पों को खुला रखने के अपने इशारे साफ कर दिए हैं। चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी गठबंधन के शीर्ष नेताओं को बुधवार शाम हुई घट्टी बैठक में एक सुर से एतान करते हुए कहा गया कि नतीजे पीएम मोदी और भाजपा की राजनीतिक ही नहीं बैठक पैतौत हार भी है। देश की जनता की इच्छा है कि भाजपा सरकार शासन में न आए और लोगों की इस आकंक्षा को देखते हुए सही समय पर उचित कदम उठाएं जाएंगे।

दो घंटे तक चर्ची बैठक में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के 'फार्सीवादी शासन' के खिलाफ अपनी लड़ाई जीत रखने का अपना संकल्प भी आइएनडीआईपे ने देखा। एनडीए के पक्ष में फिलहाल बहुमत का आंकड़ा स्पष्ट होने के बाद भी विपक्षी दलों की केंद्र में सरकार बनाने के विकल्प को खुला रखने की घोषणा से साफ है कि आइएनडीआईपे की निगाहें अब भी जट्ठू और तेलगु देशम पार्टी के

- प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की राजनीतिक ही नहीं, नैतिक हार भी गठबंधन की नजरें अब भी राजग में शामिल नीतीश व चंद्रबाबू पर

यह संविधान की रक्षा और मोदी सरकार की महंगाई, बेरोजगारी व मित्र पूँजीवाद के विरुद्ध जागेश है। आइएनडीआईपे भाजपा के फार्सीवादी शासन के विरुद्ध लड़ाई जीत रखेगा। हम भाजपा सरकार द्वारा शासित न होने की जनता की इच्छा को पूरा करने के लिए उचित समय पर सही कदम उठाएंगे। - मलिलकार्जुन खरणे, कांग्रेस अध्यक्ष

सियासी कदमों पर टिकी हुई है। जाने के महेन्जर विपक्षी गठबंधन कांग्रेस अध्यक्ष मलिलकार्जुन खरणे ने आइएनडीआईपे के दलों की दो घटे से अधिक चर्ची बैठक के बाद शीर्षता विपक्षी नेताओं के साथ बाहर आकर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आइएनडीआईपे के दलों को चुनाव में मिले भारी समर्थन के लिए दो जनताएँ नहीं हैं। देश की जनता की इच्छा है कि भाजपा सरकार शासन में न आए और लोगों की इस आकंक्षा को देखते हुए सही समय पर उचित कदम उठाएं जाएंगे।

दो घंटे तक चर्ची बैठक में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के 'फार्सीवादी शासन' के खिलाफ अपनी लड़ाई जीत रखने का अपना संकल्प भी आइएनडीआईपे ने देखा। एनडीए के पक्ष में फिलहाल बहुमत का आंकड़ा स्पष्ट होने के बाद भी विपक्षी दलों की केंद्र में सरकार बनाने के विकल्प को खुला रखने की घोषणा से साफ है कि आइएनडीआईपे की निगाहें अब भी जट्ठू और तेलगु देशम पार्टी के

मोदी को राजग सरकार का नेतृत्व करने की आसान राह नहीं देना चाहता और इस बैठक में बिहार के सीमा नीतीश कुमार व तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के साथ सहयोग की संभावनाओं को टोटोलने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि हकीकत यह भी है कि जट्ठू और तेदेपा दोनों दलों हैं। इस बैठक में चुनाव नतीजे ने राजग की प्रधानमंत्री निवास पर हुई बैठक में शामिल होकर फिलहाल राजनीतिक उथल-पुथल की किसी संभावना को खारिज कर दिया।

खरणे के सरकारी आवास पर हुई इस बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्डा, अखिलश यादव, शरद पवार, तेजस्वी यादव, एमके स्टोलिन, अधिष्ठक बनर्जी, संजय राउत, उमर अब्दुल्ला, सीताराम येचुरी, डी. राजा, संजय सिंह, चंद्र शर्मा व कल्पना सोरेन सहित तमाम सहयोगी दलों के नेता आंकड़ा पाने और बहुमत से पीछे रहे।

## दैनिक जागरण

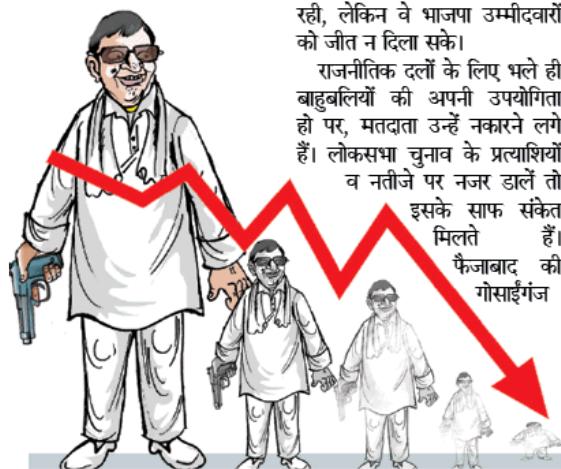
# इस बार यूपी में काम न आई बाहुबलियों से गलवहियां

राज्य व्यूरो, लखनऊ : एक समय था जबकि अपराधी प्रदेश की राजनीति में सीधा दखल रखते थे और खुद भी सांसद-विधायक चुने जाते थे, लेकिन इस बार मतदाताओं ने

उनके प्रभुत्व को भी नकर दिया है। इस लोकसभा चुनाव में पश्चिम से लेकर पूर्वचल तक बाहुबली चुनाव लड़ते तो न दिखे, हाँ जौनपुर और फैजाबाद में उनकी सक्रियता जरूर रही, लेकिन वे भाजपा उम्मीदवारों को जीत न दिला सके।

राजनीतिक दलों के लिए भले ही बाहुबलियों की अपनी उपयोगिता हो पर, मतदाता उन्हें नकारने लगे हैं। लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों

व नतीजे पर नजर ढालें तो इसके सफ संकेत मिलते हैं। फैजाबाद की गोसाईंगंज



- न फैजाबाद के मतदाताओं ने स्पीकरा न जौनपुर के
- प्रदेश के लिए अच्छा संकेत है राजनीति में घटता दखल

सीट से सपा के बाहुबली विधायक अभ्य सिंह राज्यसभा चुनाव के दौरान बांगी हो गए थे। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के बाद वह सुलक्षण भागवा खेमे में खड़े हुए थे। लोकसभा चुनाव के दौरान ही उनके पिता व पत्नी भी भाजपा में शामिल हुई थीं। माना जा रहा था कि अभ्य सिंह फैजाबाद सीट से चुनाव मैदान में उतरे लल्लू सिंह के लिए मददगार साबित होंगे पर ऐसा हुआ नहीं। लल्लू सिंह को हार का सामना करना पड़ा।

जौनपुर में कृष्ण शंकर सिंह की राह आसान करने के लिए भाजपा ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को अपने

साथ जोड़ा। 2009 लोकसभा चुनाव में जौनपुर सीट से बसपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज करने वाले धनंजय सिंह ने इसके बाद लोकसभा व विधानसभा चुनाव में किस्मत तो आजमाइ पर कामयाब नहीं रहे। इस बार धनंजय सिंह ने अपनी पत्नी श्रीकला रेडी को जौनपुर सीट से चुनाव मैदान में उतारा था। श्रीकला को बसपा से टिकट मिला, जो बाद में कट गया। इसके बाद धनंजय भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने उतरे पर अपना कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। पिछले चुनावों में माफिया बुजेश सिंह, पूर्व विधायक विजय मिश्रा, पूर्व सांसद डीपी यादव, रिजवान जहीर, उदयभान करवरिया व अमरमणि त्रिपाठी समेत अन्य बाहुबलियों का दबदबा देखने को

एसा नहीं हुआ जो राजनीति के लिए अच्छा संकेत है।

दैनिक जागरण

# घट गए प्रतिद्वंद्वियों के छवके छुड़ाने वाले

प्रदेश की लगभग सभी सीटों पर दिखी सीधी लड़ाई, छह सीटों पर पांच हजार से भी कम रहा हार-जीत का अंतर

अन्य जारीकालीन ● जागरण

लखनऊ: फर्झुखाबाद के भाजपा संसद मुकेश राजपूत खुद को खुलाकिमत मान रखे होंगे कि अंतर में भत्तदाताओं का फैसला चुनाव में आया। राजपूत पिछले चुनाव में 2.21 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीते थे लेकिन इस बार मतगणना की अधिकारी घरणे तक घड़कर्म बढ़ी रहीं और वह मत्र 4,365 वोटों से जीत सके। लेकिन हमीरपुर से भाजपा प्रत्याशी पुष्टेंद्र सिंह चंदेल इन्हें खुलाकिमत नहीं रहे। पिछली बार 2.48 लाख वोटों से जीतने वाले चंदेल अबकी सिफेर 2,629 वोटों की कमी से सांसद नहीं बन सके। फलेहपुर सीट से पिछले चुनाव में 4.95 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज कराये वाले राजकुमार चाहर एक बार पिस्त सांसद तो चुन लिए गए। लेकिन लीड मार्जन 90 प्रतिशत से भी अधिक घटकर 43,405 ही रह गया।

पिछले चुनाव में प्रतिद्वंद्वियों के छवके छुड़ाने वालों में से ज्यादातर इस बार हारते-हारते जीते हैं। नीतीजों से एक बात साफ है कि इस बार राज्य की लगभग सभी 80 सीटों पर सीधी लड़ाई रही। ज्यादातर सीटों पर पनडीए और अद्विपडीआद्विप के बीच कट्टे की टक्कर होने से हार-जीत में ज्यादा अंतर नहीं रहा। अंदराजा इस बात से लगाया जा सकता है कि



हार-जीत का अंतर	मतों का अंतर	2019	2024
0000-5000	02	06	
5001-50,000	14	27	
50,001-1,00,000	13	18	
1,00,001-2,00,000	26	20	
2,00,001-5,00,000	24	08	
5,00,000 से अधिक	01	01	

03 सांसद जीते तीन लाख से ज्यादा मतों से, पिछली बार थे 10

50 हजार से कम वोटों के अंतर से 33 सीटों पर रही हार-जीत, पहले थी 16

01 लाख से कम मतों के अंतर से 16 सीटों हारी सामाजिकी पार्टी



डा. महेश शर्मा

## पांच लाख से अधिक मतों से जीतने वाले अंकेन सांसद

इसी तरह पिछले चुनाव में दो लाख से पांच लाख मतों के अंतर से प्रतिद्वंद्वियों के छवके छुड़ाने वाले घटकर एक तिहाई ही रह गए हैं। पिछली बार ऐसे 24 सांसद थे लेकिन इस बार आठ ही हैं। पांच लाख से अधिक रिकार्ड मतों के अंतर से पिछली बार गाँवियाबाद सीट से बीके सिंह सांसद बुने गए थे। इस बार भी गोरमधुदुनार से डा. महेश शर्मा ही पांच लाख से अधिक मतों से जीत सके हैं।

इस बार पांच हजार से कम मतों के अंतर से छह सीटों(हमीरपुर, फर्झुखाबाद, बासगांव, सलेमपुर, बद्धकर 18 ही रहे हैं। इस बार 20 फूलपुर व धौनहारा) पर सांसद चुने जाने वाली सीटों में दूसरे गए हैं जबकि पिछली बार ऐसी दो सीटों(मछलीशहर व मरठ) थीं। अगर पांच हजार से 50 हजार मतों के अंतर वाली सीटें देखी जाएं तो अधिक मतों के अंतर से जीते डा. वह इस बार पहले से लगभग दो गुना महेश शर्मा के अलावा नरेन्द्र मोदी हैं। पिछले चुनाव में 14 ऐसी सीटों रवि किशन, विजय दुबे, पंकज चौधरी, राजनाथ सिंह, अमरगंग शर्मा, साक्षी महाराज एक बार फिर सांसद

भाजपा 28 सीटों पर एक लाख से कम मतों के अंतर से हारी सताधारी भाजपा को जिन 42 सीटों पर इस बार का सामना करना पड़ा है। उनमें 28 सीटें ऐसी हैं जिन पर वह एक लाख से कम मतों के अंतर से हारी है। 11 सीटें ऐसी हैं जिन पर एक से दो लाख वोटों से भाजपा हारी है। दो सीटों पर वह उने 3.90 मतों से कांग्रेस ने हराया है।

तो चुने गए हैं लेकिन इस बार सभी की जीत का अंतर घट ही गया है। तीन लाख से अधिक मतों से इस बार सांसद चुने जाने वालों में दूसरे नंबर पर यथवरेली से राहुल गांधी और तीसरे नंबर पर गाँवियाबाद से अतुल गण हैं। राहुल की लीड मत्र 3.90 लाख और अतुल की 3.36 लाख रही है। भोटी पिछले चुनाव में 4.79 लाख मतों के अंतर से जीते थे जबकि इस बार 1.52 लाख की लीड लेकर ही जीते हैं।

जीतने से हारे-जीते उससे ज्यादा नोटा को गोट

जिन छह सीटों पर पांच हजार से ज्यादा मतों के अंतर से प्रतिद्वंद्वियों के बीच हार-जीत हुई है उनमें से सभी सीटों पर उससे कहीं ज्यादा मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया है। मसलन, जिस हमीरपुर सीट को भाजपा ने 2,629 मतों के अंतर से गंवा दिया है उस पर 13,453 ने नोटा का बटन दबाया है।

इसी तरह फर्झुखाबाद सीट पर हार-जीत तो 2,678 मतों से हुई है।

लेकिन नोटा दबाने वाले इसमें कहीं अधिक 4,365 रहे। बासगांव सीट पर नोटा गोट 9,021 रहा जबकि कांग्रेस 3,150 वोटों से हार गई। इसी तरह सलेमपुर सीट पर नोटा गोट 7,549 पड़ा जबकि भाजपा 3,573 मतों से हार गई। जिस कूलपुर सीट पर सपा 4,332 वोटों से हारी उस पर नोटा बटन दबाने वाले 5,460 थे। भाजपा ने इस बार 4,449 मतों से जिस धौनहारा सीट को गंवाया उस पर भी नोटा बटन दबाने वाले इससे कहीं अधिक 7,144 थे। उल्लेखनीय है कि इस बार 6,34,971 लोगों ने नोटा का बटन दबाया है। सर्वाधिक 19,032 नोटा गोट राष्ट्रदर्समंज सीट पर पड़े हैं।



दैनिक जागरण

## चार तक प्रत्याशियों को देना होगा खर्च का ब्योरा

जासं • लखनऊ : मतों की गिनती और नतीजों के आने के साथ ही लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया खत्म होने को है। प्रशासन ने सभी प्रत्याशियों को घार जलाई तक चुनावी खर्च का ब्योरा देने को कहा है। लखनऊ और मोहनलालगंज लोकसभा के प्रत्याशियों ने अब तक अपने चुनाव खर्च का हिसाब किया है। पर्यवेक्षकों को नहीं दिया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से सभी प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर गत नामांकन से लेकर मतदान की तिथि तक तीन तारीखों में खर्च का ब्योरा मांगा था। आयोग ने चुनाव प्रचार में इस्तेमाल की जाने वाली प्रत्येक चीज की दर तय कर रखी है। आयोग इस तय की गई दर के हिसाब से ही प्रत्याशी खर्च कर सकता था। सभी तरह के लैनदेन केजल बैंक से ही मान्य होंगे। अगर प्रत्याशी खर्च का ब्योरा नहीं देते हैं तो आयोग कार्रवाई कर सकता है।

## दैनिक जागरण

### गठबंधन सएकाए

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन की तैयारी यही बता रही है कि गठबंधन सरकार आकार लेने जा रही है। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। चूंकि भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं हैं, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू. शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत कार्य करने के कारण वह ऐसी सरकार के संचालन के तौर-तरीकों से अवगत हैं, लेकिन स्वयं उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। गठबंधन सरकार का संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल की परीक्षा लेंगा। इस परीक्षा में उन्हें खरा उतरना चाहिए, क्योंकि उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि है। गठबंधन सरकारों के कुछ सकारात्मक पक्ष होते हैं तो कुछ नकारात्मक पक्ष भी। गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले को घटक दलों से समन्वय के साथ चलना होता है। इसमें समस्या तब आती है, जब घटक दल अनुचित मांगें मनवाने लगते हैं अथवा सौदेबाजी करने की कोशिश करते हैं या फिर अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति के लिए दबाव की राजनीति करने लगते हैं।

अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनपीठन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। इसी के चलते एक बार उन्हें यह कहना पड़ा था कि गठबंधन सरकार की अपनी कुछ मजबूरियां होती हैं। भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनरांगिक गठबंधन के साथ-साथ समाज और देश के हित में यही है कि नई गठबंधन सरकार को सहयोगी दलों के अनुचित राजनीतिक दबाव का समाना न करना पड़े। वैसे तो राजग के प्रमुख घटक जनता दल-यू और तेलुगु देसम पार्टी पहले भी मोदी सरकार के साथ रह चुकी हैं, लेकिन तब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत था। आशा की जाती है कि उन खबरों में कोई सच्चाई नहीं होगी, जिनके तहत यह कहा जा रहा है कि सहयोगी दल अमुक-अमुक मांग रख रहे हैं। निःसंदेह यह समझ आता है कि घटक दल अपने राज्य के राजनीतिक एवं आर्थिक हितों की चिंता करें, लेकिन ऐसा करते समय उन्हें राष्ट्रीय हितों को ओझल नहीं करना चाहिए। यह उन्हें भी सुनिश्चित करना चाहिए कि गठबंधन सरकार सुगम तरीके से चले। इसके लिए आवश्यक हो तो राजग के संयोजक की भी नियुक्ति की जानी चाहिए।

## दैनिक जागरण

# जनता का संदेश

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 संसदीय सीटों के परिणाम आ चुके हैं और लोग इसकी अपने अपने स्तर पर व्याख्या भी कर रहे हैं लेकिन मतदाताओं ने एक संदेश तो स्पष्ट दिया है कि वे जनप्रतिनिधि से अपने क्षेत्र के विकास और समस्याओं के समाधान की अपेक्षा रखते हैं। ऐसा न करने वालों को वह मताधिकार से खारिज करेंगे और उन्होंने किया भी। चुनाव के दौरान ही कई क्षेत्रों में मतदाताओं ने मुखर होकर सांसदों की आलोचना सिर्फ इस बात के लिए

की थी क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया। विशेष तौर पर भाजपा और उसके सहयोगी दलों से लोगों की उम्मीदें अधिक थीं लेकिन उन्होंने निराश किया। भाजपा व सहयोगी दलों के 26 सांसदों को जनता ने नकारा है जो एक तरह चुने गए सांसदों के लिए एक संदेश है कि कम से कम वे उदासीन और निष्क्रिय न रहे। सांसदों को भी जनभावनाओं को समझना होगा और इसी के अनुरूप आगे की कार्ययोजना भी बनानी होगी। यदि सरकार में उनकी बात नहीं सुनी जाती तो कम से कम वे संघर्ष करते तो नजर आएं।

आज का मतदाता जागरूक है और अपने भले की बात जरूर सोचता है। जातियों जैसी बीमारियां भले ही इस समय भी चुनाव के दौरान सिर चढ़कर बोलती हैं लेकिन उसका आक्रोश स्थानीय समस्याओं की अनदेखी पर मुखर होता है और जब भी मताधिकार का अवसर आता है तो वह उम्मीदवारों का मूल्यांकन भी इसी आधार पर करता है। इसलिए सांसदों का यह दायित्व है कि वह अपने क्षेत्र के लोगों के संपर्क में रहें, उनसे बातचीत कर समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए सरकार के स्तर पर कोशिशें करें। बहुत सी समस्याओं का समाधान तो सांसद निधि से ही हो सकता है। इस बात का प्रयास करें कि सांसद निधि बिचौलियों के हाथ न लगने पाए, जनता के हित में खर्च हो।

उत्तर प्रदेश के चुनाव में  
मतदाताओं ने यह संदेश दिया  
है कि उन्हें ऐसे जनप्रतिनिधि  
की जरूरत है जो उनके वीच  
रहे और उनकी समस्याओं  
को समझे।

## हिन्दुस्तान



## समाचार पत्रों की निरीक्षा आख्या दिनांक: 06 जून, 2024

### हिन्दुस्तान

## सभी 543 संसदीय सीटों के अंतिम परिणाम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिए। इसमें भाजपा को 240 और कांगड़ा को 99 सीट पर विजयी प्रचंड किया गया है।

अंतिम परिणाम महाराष्ट्र के बाद निर्वाचन क्षेत्र का घोषणा किया गया। इस सीट पर राष्ट्रवादी कांगड़ा पार्टी (शरद चंद्र पवार) के उम्मीदवार बजरंग मनोहर सोनवणे 6,553 मतों से जीते लोकसभा में 543 सदस्य हैं, लेकिन मुरत से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलल के निर्विरोध विजेता होने के बाद 542 सीट के लिए मतदण्डना हुई।

भाजपा	240	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	3	केरल कांगड़ा	1
कांगड़ा	99	आम आदमी पार्टी (आप)	3	रिवोल्युशनरी सोशलिस्ट पार्टी	1
समजवादी पार्टी (सपा)	37	झारखण्ड मुस्लिम मोर्चा (झामुमो)	3	राष्ट्रवादी कांगड़ा पार्टी (गकांगा)	1
उन्नान कांगड़ा	29	जनसेना पार्टी	2	बीजप अंडा द प्रिप्ट पार्टी	1
द्विंद मुनोज कडम (बीएमके)	22	भजपा (माले) (सिवरेशन)	2	जोरदर पीपुल्स मुव़ाहद	1
तेलुगु देश पार्टी (टीडीपी)	16	जनता दल सेवकलर (जेडीएस)	2	पिंगोली अकाली दल	1
जनता दल कृष्णाटंड (जद्यु)	12	हिन्दुलाल्ही विरुद्धगत कांगड़ा		राष्ट्रीय सोसाइटिक पार्टी	1
विदेशना उद्योग वातासाहब दाकरे	9	(बालोडी)	2	भारत आदिवासी पार्टी	1
गढ़पा (शरद चंद्र पवार)	8	भाजपा	2	सिविकन कलिकारी मोर्चा	1
विदेशना	7	राष्ट्रीय लोक दल (रालोदी)	2	मठमतार्पी द्विंद मुनोज कडम	1
लोक जनशक्ति पार्टी (आर)	5	नेताजल कांगड़ा	2	अजाद समाज पार्टी (कांगीराम)	1
युक्त अमित रामू कांगड़ा पार्टी (वाईएसआरसीपी)	4	दूनाटंड पीपुल्स पार्टी, तिवरत	1	आपना दल (सोनेताल)	1
राष्ट्रीय जनता दल (राजद)	4	असम ज्ञा पारंपर	1	आजसू पार्टी	1
माध्या	4	हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा	1	एआईएमआईएम	1
		(संसुलत)	1	निर्दलीय	7

## हिन्दुस्तान

# परिचम-उत्तर विधानसभा में एकतरफा डाले गए वोट

लखनऊ। लखनऊ परिचम और लखनऊ उत्तर विधानसभा सीट के कई इलाकों में एनडीए या इंडिया प्रत्याशी को एकतरफा वोट मिले। बढ़ी यजह विश्लेषक घुटीकरण को मान रहे हैं। लखनऊ परिचम विधान सभा के आजादनगर वृथ संख्या 131 से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को मात्र 20 वोट मिले, इसी वृथ पर सपा के रविदास ने 732 वोट हासिल किए।

भमरीली शाहपुर वृथ संख्या 27 से भाजपा को 494, सपा को 72 वोट मिले। असरपास के मोहल्लों में कितना अंतर रहा, इसका उदाहरण है कि बादशाहखेड़ा के वृथ संख्या 104 पर भाजपा को 150, सपा को 452 वोट मिले। वृथ संख्या 105 पर इसके उलट भाजपा को 456 तो सपा को 90 वोट मिले। नदीपीरखां वृथ संख्या 212 पर भाजपा को 78 वोट मिले तो इसी वृथ पर सपा को 656 वोट दिए गए।

प्रत्यक्षीकरण संख्या	
प्रत्यक्षीकरण संख्या	१
प्रत्यक्षीकरण संख्या	५३२
राजनाथ सिंह	३१
प्रत्यक्षीकरण संख्या	३
प्रत्यक्षीकरण संख्या	१

**20** वोट आजादनगर में राजनाथ तो टॉपिक्स को 732 वोट मिले

## काजमैन, चौक समेत कई क्षेत्रों में बड़ा अंतर

 उत्तर विधानसभा के कुछ मोहल्ले एसे रहे, जहाँ एक घटरी ने सपा तो दूसरी ने एकतरफा भाजपा को वोट दिया। कहीं एक ही गती में सड़क के दोनों पार, उस पार के रहने वालों ने एक तरफा वोट दिया।

हिन्दुस्तान

## चुनाव इयूटी के लिए ऑनलाइन भुगतान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्बाचन अधिकारी कार्यालय के प्रवासी से 18वीं लोकसभा, विधानसभा उप चुनाव में लगे प्रदेश भर के सभी निर्बाचन कार्यकों को पहली बार पारिष्ठामिक की राशि सौथे बैंक खातों में ई-ऐमेन्ट के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व तह राशि नकद रूप से दी जाती थी। मुख्य निर्बाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने यह जानकारी दी।



## नवभारत टाइम्स

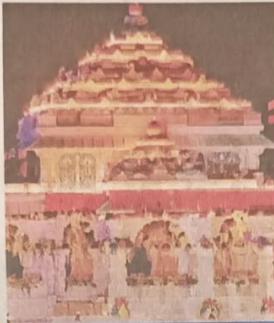
**नवभारत टाइम्स**

# राममय अवध में भाजपा को 20 में से केवल 8 सीटें मिलीं

Deep.Singh@timesgroup.com

■ लखनऊ : इसी साल लोकसभा चुनाव से पहले जनवरी में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई। दूसरे अवध का माहौल राममय था। इसके बावजूद अवध क्षेत्र में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। नेताओं में आपसी तालमेल का अभाव और नेताओं की जनता से दूरी का नतीजा यह रहा कि वे जमीन नहीं धौप सके। यही वजह है कि अयोध्या और लखनऊ के आसपास अवध क्षेत्र की कुल 20 सीटों में से इस बार भाजपा आठ सीटों पर ही वापसी कर सकी है। पिछले चुनाव में इन सीटों में से 17 पर उसका कब्जा था।

अवध क्षेत्र काफी समय से भाजपा का गढ़ रहा है। यहां 2014 में भी भाजपा ने परचम फहराया था। भाजपा ने क्षेत्र की 20 सीटों में से 17 जीती थी। प्रतापगढ़ की एक सीट उसके सहयोगी दल अपना दल ने जीती थी। इस तरह NDA ने 20 में से 18 सीटें अवध क्षेत्र में जीती थी। देखा जाए तो कांग्रेस की परंपरागत दो सीटों को छोड़कर 2014 में भाजपा ने अपने कब्जे में ले ली थी। ...इसलिए अहम है ये हार : अवध इसलिए भी अहम हो जाता है कि राम मंदिर प्रमुख रूप से इस क्षेत्र में मुद्दा रहा है।



## ये सीटें गंवाईं

अमेठी, अम्बेडकर नगर, बाराबरी, धौरहरा, फैजाबाद, खीरी, मोहनलालगंज, प्रतापगढ़, रायबरेली, शाक्सी, सीतापुर, सुलतानपुर।

## ये सीटें बचाईं

कैसरगंज, उन्नाव, बहराइच, गोडा, हरदोई, लखनऊ, मिथिला, पीलीभीत।

## वाया रहीं हार की वजहें

अवध क्षेत्र में हार की कई वजहें हैं। सबसे अहम वजह यह मानी जा रही है कि नेताओं और संगठन में तालमेल का अभाव रहा। वहीं प्रत्याशियों का अपना व्यवहार और जमीन पर दूरी भी प्रमुख वजह है। खीरी सीट पर अजय मिश्र टेनी प्रत्याशी थे। किसानों पर गाड़ी चढ़ाने के आरोप उनके बेटे पर लगे थे। माना जा रहा है कि किसान उनसे नाराज थे। उधर, भाजपा के सहयोगी अपना दल की प्रमुख अनुप्रिया पटेल और राजा भव्या के बीच बयानबाजी का भी असर रहा। इससे प्रतापगढ़ सीट गवानी पड़ी। अमेठी में स्मृति इरानी, फैजाबाद में ललू रिहाई, मोहनलालगंज में कौशल किशोर सहित कई प्रत्याशियों से जनता की नाखुशी की भी चर्चा पहले से थी। इस ओर पार्टी के बड़े नेताओं ने ध्यान नहीं दिया।

इस पर भाजपा की पूरी राजनीति केंद्रित रही है। इस क्षेत्र में राजनाथ सिंह, स्मृति इरानी, कौशल किशोर, अजय मिश्र टेनी जैसे चार इस क्षेत्र से हैं। इसके बावजूद इतना खराब केंद्रीय मंत्री चुनाव मैदान में थे। इसके अलावा प्रदेश सरकार में मंत्री जितन प्रसाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। प्रदेश मुख्यालय भी लखनऊ में है। कई बड़े पदाधिकारी भी इस क्षेत्र से हैं। इसके बावजूद इतना खराब प्रदर्शन कि वह 20 में से महज आठ सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी है।

## इस बार 74 महिला चुनी गईं, 2019 से कम



■ भाग्या, नईदिल्ली : लोकसभा चुनाव के मंगलवार को आए नवीजों में कुल 74 महिलाएं चुनी गईं जबकि 2019 के आम चुनाव में यह संख्या 78 थी। देश भर से निचले सदन के लिए चुनी गई कुल महिलाओं के साथ सबसे आगे है। कुल 797 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिसमें बीजेपी ने सबसे ज्यादा 69 को और कांग्रेस ने 41 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। निवाचन

लोकसभा चुनाव जीता, कांग्रेस की 14, तण्मूल कांग्रेस की 11, समाजवादी पार्टी की चार, डीएमके की 3 और जनता दल (यूनाइटेड) और एलजेपी (आर) की दो-दो महिला उम्मीदवार जीती। जीजेपी को हेमा मालिनी, टीएमसी की महुआ मोइत्रा, शरद पवार की एनसीपी की की सुप्रिया सुले और एसपी की डिपल यादव ने अपनी सीटें बरकरार रखी। केगना रनौत और मीसा भारती जैसी उम्मीदवारों ने सबका ध्यान खींचा।

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स

## आज हट जाएगी आचार संहिता, सौंपे जाएंगे सर्टिफिकेट

Maneesh Aggarwal  
@timesgroup.com



■ नई दिल्ली : देशभर में 16 मार्च से लागू लौकसभा चुनाव-2024 के लिए आदर्श आचार संहिता गुरुवार को समाप्त हो जाएगी। जीते हुए सभी 543 सांसदों के सर्टिफिकेट राष्ट्रपति द्वायपरी मुर्तु को सौंपने साथ ही आचार संहिता समाप्त हो जाएगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति को सर्टिफिकेट देने के लिए चौफ इलेक्शन कमिश्नर राजाव कुमार के साथ दोनों इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार और सुखवीर सिंह संघू भी जाएंगे। इसके बाद सरकार बनने समेत आये की दूसरी तमाम कार्यवाही शुरू हो सकेगी।

आम चुनाव कराने में कुल कितना पैसा खर्च हुआ अब इसकी जानकारी नहीं

इलेक्शन कमिश्नर प्रेजिडेंट को जीते हुए सांसदों के सर्टिफिकेट सौंपें।

58.58 पीसदी और घाटी में रेकॉर्ड 51.05 पीसदी मतदान हुआ। आयोग का दावा है कि घाटी के लोगों ने 40 साल बाद बिना किसी डर और भय के खुलकर वोट डाले। यहां के वोटरों के इस सकारात्मक रुख ने इस साल 30 सितंबर से पहले कराए जाने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की राह और आसान कर दी है।

कमिश्नर ने यह भी बताया कि देश के सभी 36 राज्यों में शांतिपूर्वक चुनाव कराने के लिए 1.50 करोड़ से अधिक पोलिंग और सिक्यूरिटी स्टाफ को तैनात किया गया था। उन्हें लाने-ले जाने के लिए 135 स्पेशल देश के 96.88 करोड़ मतदाताओं में से दोनों का इंतजाम किया गया। दूर-दराज 64.20 करोड़ वोटरों ने वोट देकर विश्व रेकॉर्ड बनाया। जम्मू-कश्मीर में 40 साल बाद इतना अधिक मतदान हुआ। यहां चार लाख से अधिक गांडियों का चुनाव कराने में इस्तेमाल किया गया।

NBT  
**Lens** कैसे थे  
चुनाव के  
इत्तजाम?

समाजिक खबरों के अंदर की बात चुनाव आयोग का कहना है कि सारी चुनावी पक्षियां ईमानदारी, निष्पक्षता और मेहनत के साथ पूरी की गई। सात चरणों में हुई वोटिंग के बाद री-पोल कराने की नौबत बेहद कम आई। 2019 में वोटिंग कराने के बाद 540 जगहों पर दोबारा मतदान कराना पड़ा था। इस बार मत्र 39 जगह री-पोल कराना पड़ा। उनमें से अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 25 जगहों पर री-पोल कराना शामिल है। 27 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में री-पोल की नौबत नहीं आई।

## Pioneer

### 73 WOMEN ELECTED TO LOK SABHA, LOWER THAN 2019

PIONEER NEWS SERVICE ■ NEW DELHI

**A** total of 73 women have been elected to Lok Sabha from 70 elected seats in 2019. Of these, 46 women were appointed to the Lower House from the various state assemblies, while 27 were elected. Women form 10.4% of the Lok Sabha members.

According to PIB, 2024 Lok Sabha candidates had contested the elections with the BJP leading the maximum number of women candidates by the Congress at 45.

This is the second time since the passing of the women reservation Bill in the Parliament in 2010 that a third of seats in the Lok Sabha and wings are reserved for women. The law got into force in 2014.

According to the results of the Election Commission of India, BJP's 30 women candidates won 27 Lok Sabha seats. The Congress (4), TMC (1), four of the smaller parties (1 each) and the TMC, and two each of the EVM and LPWPs.

With 10.4% per cent female MPs, the 2024 Lok Sabha will have one of the highest numbers of women

members since 1951. The Lok Sabha has been the most gender-balanced parliament since 1978, comprising over 14 per cent of women.

In the 17th Lok Sabha, 44 women were elected, while 22 were appointed, while 32 women were elected to the 18th Lok Sabha.

TMC's Meenakshi Lekhi, NCP's Supriya Sule, and Congress' Priyadarshini Choudhury were the first three women to take charge of the Lok Sabha. In the 19th Lok Sabha, the Congress' Priyadarshini Choudhury of Jharkhand was chosen for the post of Speaker.

While the parties like NDA and AIADMK have adopted equal gender representation rules, 26 per cent women candidates were elected.

Other parties such as Nationalist Congress Party (NCP), Shiv Sena and Nationalist Congress Party (NCP) have also fielded 10 per cent women candidates.

The (backbench blazer) Meenakshi Lekhi



(BJP) had 30 per cent women candidates, while the RJD's Lata (3.3%) and the Congress' Priyadarshini Choudhury had 20 per cent women candidates, while the Trinamool Congress had 23 per cent women candidates. A total of 8,350 candidates contested the 70 seats in the Lok Sabha, with 10.4% of them being women.

These women Lok Sabha candidates have been elected independently. But all of them had in the past been part of the Lok Sabha, even before the 2024 election. There were 24 women in the Lok Sabha in 2019, and the second Lok Sabha.

Women have been under-represented, as, in keeping with the stringent provisions of the Representation of the People Act, 1951, which mandates that no more than 10% of Lok Sabha seats be reserved for women.

Meenakshi Lekhi is married to Rajiv Gandhi — a Bharatiya Janata Party member.

Priyadarshini Choudhury has contested for the TMC, while Supriya Sule has contested for the NCP.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had been a member of the Lok Sabha from 1991 to 1996.

She had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Supriya Sule, who was born in 1951,

had also fought the 2023 assembly elections but lost.

Meenakshi Lekhi, who was born in 1951,

## Pioneer



### Two jailed on terror charges win Lok Sabha polls

PIONEER NEWS SERVICE ■  
NEW DELHI

Two candidates currently lodged in prison on terror charges emerged winners in the just-concluded parliamentary election, giving rise to an unusual situation for the 18th Lok Sabha to be formed in the coming days. While the law will keep them from attending the proceedings of the new House, they do have the constitutional right to take oath as Members of Parliament.

The Election Commission declared the results of the Lok Sabha polls on Tuesday. While radical Sikh preacher Amritpal Singh won Punjab's Khadoor Sahib seat, terror financing accused Sheikh Abdul Rashid, also known as Engineer Rashid, emerged victorious on Jammu and Kashmir's Baramulla seat. Engineer Rashid has been lodged in Tihar jail since August 9, 2019, on charges of terror financing. Singh was arrested in April 2023 under the National Security Act and sent to the Dibrugarh prison in Assam. The question now arises if these jailed newly elected MPs will be allowed to take the oath, and if yes, how. Explaining the legalities involved, Constitution expert and former Lok Sabha secretary general PDT Achari emphasised the importance of following the constitutional provisions in such cases. Being sworn in as a Member of

right, he said. But because they are currently in prison, Engineer Rashid and Singh must seek permission from authorities to be escorted to Parliament for the oath-taking ceremony. Once they have taken the oath, they will have to return to prison.

To further explain the legalities, Achari cited Article 101(4) of the Constitution which deals with the absence of members from both Houses of Parliament without prior sanction of the Chair.

He said after they have taken oath, they will write to the Speaker, informing him or her about their inability to attend the House. The Speaker will then refer their requests to the House Committee on Absence of Members.

The committee will recommend whether the member should be allowed to remain absent from House proceedings or not. The recommendation is then put to vote in the House by the Speaker.

If Engineer Rashid or Singh are to be convicted and jailed for a minimum of two years, they would lose their seats in the Lok Sabha immediately as per the Supreme Court judgment of 2013, which holds that MPs and MLAs would be disqualified in such cases.

This decision struck down section 8(4) of the Representation of the People Act, which earlier allowed convicted MPs and MLAs three months to appeal against their convictions.

## Pioneer

# UP to face assembly bypolls for 8 seats

PT ■ LUOJOW

With as many as nine legislators from Uttar Pradesh including eight MLAs registering a win in the ongoing Lok Sabha elections, a sort of mini-assembly election is on the anvil in the state which threw surprising poll results on Tuesday. Altogether, 13 MLAs and four MLAs contested the Lok Sabha elections from the politically crucial state of UP.

Nine legislators including three MLAs eventually ended up losing the elections. Apart from these three MLAs who lost the Lok Sabha polls, luck did not smile on the MLAs of UP also. According to the Election Commission of India, the Samajwadi Party (SP) bagged 37 out of 80 seats, the highest number of Lok Sabha seats in the state, while its ally the Congress bagged six seats.

The BJP won 33 seats, while its allies, the Rashtriya Lok Dal

(RLD) and the Agnip Dal (Sonsial), won two seats and one seat respectively. The Akash Samaj Party (Kanshi Ram) clinched victory in one constituency.

The number of sitting MLAs in UP who lost the election stands at five, while the lone MLC who emerged victorious in the ongoing Lok Sabha election from the state was UP's PWD minister Nitin Prasad, who registered a win from Phulpur Lok Sabha seat, defeating his nearest rival by a margin of 1,64,935 votes.

The other minister from UP who managed to secure a win was Anup Singh Talsania, the minister of state for revenue from Hathras (SC) seat, by a margin of 2,47,318 votes. 'Buland' is an MLA from Khair assembly constituency in Aligarh district. The other ministers of UP who lost the Lok Sabha elections are Dinesh Pratap Singh, minister of state (independent charge) for horticulture, agricultural market-

ing, agricultural foreign trade and agricultural exports, who lost to former Congress president Rafael Gandhi by a margin of 3,86,080 votes from the Rae Bareli Lok Sabha seat.

Dinesh Pratap Singh is an MLC. The other MLAs from UP who lost the Lok Sabha elections are Saket Mahtas from Shrawasti, who lost to Ram Shivanand Verma of the SP by 76,673 votes and BSP's Bhimeswar Ambadekar, who lost to BJP's Prakash from Hardoi (SC) seat. Ambadekar finished as the second runner up. UP Tourism and Culture minister Jitender Singh, who is an MLA from Maujpur assembly constituency, lost to sitting MP from Maujpur parliamentary constituency Dimpal Yadav of the SP by a margin of 2,21,639 votes.

SP chief Akhilesh Yadav, who is the sitting MLA from Kahl assembly constituency in Maujpur district, registered a win from Kannauj Lok Sabha seat, defeating BJP's Subeet

Pathak by a margin of 1,70,922 votes. The other SP MLAs who clinched victory from their respective seats are Ziaur Rehman from Kunderkhan in Moradabad, who helped the party retain the Sambhal Lok Sabha seat, as he defeated his BJP rival Parameshwar Lal Saini by 1,21,494 votes.

Similarly, senior SP leader Laji Verma, who is the MLA from Kathua in Ambudkar Nagar, won the Ambudkar Nagar Lok Sabha seat by a margin of 1,37,247 votes, defeating BJP's Ritesh Pandey, who had joined the party after leaving the BSP.

Congress MLA from Pharensi in Maujpur district, who contested the Lok Sabha polls from Maujpur parliamentary constituency in Maujpur, Chandan Chaudhary, won the Bijnor Lok Sabha seat by 37,508 votes, BJP MLA from Nainital in Bijnor district Om Kumar lost to Chandrasekhar of Aam Aadmi Party (Kanshi Ram) by 1,51,473 votes. Similarly, Rinki Kol, who is also the MLA of Agnip Dal (Sonsial) from Charbagh in Maujpur district, lost to SP's Chholi by 129,234 votes from the Robertsganj (SC) seat.

RLD and Agnip Dal (Sonsial) are alliance partners of the BJP.

In the assembly bypolls held alongside the Lok Sabha polls, the BJP won the assembly constituencies of Lucknow West and Dadra while the SP emerged victorious in Gainsar and Dadri (ST) constituencies.

## राष्ट्रीय सहारा

# निर्वाचन कर्मियों को सीधे बैंक खाते में भेजी गयी धनराशि : रिणवा

लखनऊ (एसएनडी)। मूल निर्वाचन अधिकारी निकटीप रिणवा ने कहा यह निर्वाचन अधिकारी कालान्तर के प्रवासी से 18वाँ लोकसभा समान्वय निर्वाचन एवं विधानसभा उप निर्वाचन में लोग प्रदेश भर के सभी निर्वाचन कर्मियों को पहली बार परिवर्तित की गयी सीधे उपकरणों विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व यह राशि नकद रूप से दी जाती थी। उन्होंने सभी मतदाताओं, निर्वाचन से जुड़े समर्पण कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी लोकसभाकारी दलों और प्रशासनिकों के प्रति हांसिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मतदातु जागरूकता एवं निर्वाचन से सम्बन्धित गतिविधियों को प्रदेश की जल्दी करके पहुंचने के लिए सभी मौदिया संस्थानों एवं उनके प्रतिनिधियों का भी आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दैरान वर्द्धकीयों एवं नवाचारों का समर्वेष किया गया। वोटर हैल्प लाइन, सो-विजिल, वोटर टर्नआउट, सक्षम, सुविधा, कैबिनेटी जैसे मोबाइल एप का प्रयोग करके अनेक नवाचार भी किये गये। उन्होंने प्रदेश के सभी मतदाताओं को घटनाकाल कारोबूरु कह कि मतदाताओं का प्रयोग करके उन्होंने लोकतंत्र को इस परम्परा को समृद्ध एवं मजबूत किया है और प्रचंड गर्मी में भी कठोर में छड़े होकर अपने मतदाताओं



■ सफल निर्वाचन के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं, कर्मियों,

सुरक्षा कर्मियों सहित मौदिया का जताया आभार

का प्रयोग किया। मतदाताओं ने एक बार फिर यह सम्मिलित कर दिया कि असली विजेता वास्तव में मतदाता ही है।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव-2024 की निर्वाचन विधियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वरूप, नियम, शासित्रूप, भव्यकृत, प्रलोभनमुक्त, सामोरोती व सुरक्षित निर्वाचन की प्रक्रिया मुकु दूरु थी जो कि 04 जून को मतदाताओं के साथ सम्पन्न हुई। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनावे रखने के लिए निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्देश दे अनुयालीय किया गया।

उन्होंने भीषण गर्मी व लू जैसी चुम्हियों में भी निर्वाचन के दायित्वों का पूरी इमादारी और कर्तव्यविनियन से पालन करने वाले महान और मतदाताओं कार्मिकों का भी आभार व्यक्त किया है। सुरक्षा बलों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने प्रदेश में मतदाताओं को सुधार, शान्तिपूर्ण और उसी माहौल प्रदान करने, भीषण गर्मी व लू जैसी चुम्हियों का सामना करने और कानून-व्यवस्था को संभालने में सहायता और प्रतिक्रिया दियायी है। इसके साथ ही उन्होंने बिन्द, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मौदिया को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद दिया है।

## राष्ट्रीय सहारा

### चुनाव नतीजों से छेड़छाड़ की कोशिश की थी हैकरों ने

#### ■ रोशन

नई दिल्ली। एसएनवी

पूरा देश जब टोके खेलते औंडूटेट पर टकटकी लगा। चुनाव परिणामों के ग्राफ को उपर नीचे लेते रहे रहा तो उस समय दुनियापर के साइबर हैकरों और भासत को नेशनल इंफ्रारेटिक्स सेटर (एनआईसी) के बीच माहायुद्ध चल रहा था। हैकर चुनाव आयोग के चुनाव परिणाम वाले सर्वे पर अटैक पर अटैक कर रहे थे और एकआईआई डॉडे विफल पड़ा। एनआईसी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने इंटरसेक्यूरिटी औंडूटर करते रहे। जब तो अटैक हुए तो एनआईसी को हालिये बढ़ करना पड़ा और

वैकल्पिक सर्वे स्थापित कर चुनाव अद्योग को सर्वेर उफलब्ध करता ताकि चुनाव परिणाम निर्धारण मिल से लैंगिक रूप पहुंच सके।



इस बीच एनआईसी को केंद्र सरकार की बाज़ी सालों को दाढ़ान करना पड़ा। एनआईसी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने इंटरसेक्यूरिटी औंडूटर करते रहे। जब तो अटैक हुए तो एनआईसी को हालिये बढ़ करना पड़ा और

गोपनीय और संवेदनशील होने के कारण

एनआईसी सर्वेर की सुरक्षा बेहद मबूर दृष्टि। चुनाव आयोग का सर्वेर जो एनआईसी

दिये। आयोग दिल टाइम अंकड़े जारी कर रहा था और टोके नेशनल इंफ्रारेटिक्स न्यूज बायबल उसे दिखा रहे थे।

जैसे-जैसे कार्डिन अपे बड़े थे

वीसे-वीसे कार्डिन सेटर के अंकड़े राज्यवार और लोकवार लेव के अनुसार पूरे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर नज़र ड़ा जाते और यही मौड़िया के लिए भी सबसे उड़ान दोमें था। लैंबिन पर्दे के लिए एक और युद्ध चल रहा था, इसकी जानकारी दिनहरे लिखी जैसी नहीं थी। सूड़ों का कहना है कि हैकर एनआईसी सर्वेर पर हमले चुनाव परिणाम को प्रभावित और बदलिय करने के मकसद से कर रहे थे।

■ नेशनल इंफ्रारेटिक्स सेटर

ने जारी रखी सेवा

■ हाईवे बंद कर बनाया

दैक्षिण्यक रूट

## राष्ट्रीय सहारा

# पांच हजार से भी कम वोटों से जीते आधा दर्जन सांसद

लखनऊ (एएनडी)। किसी भी चुनाव में एक-एक वोट की कमाई होती है, इसका जीत-जापा उठाकरण मंकलवाद को हुई लोकसभा संसदीय की मतामत में देखने को मिला। इस चुनाव में हाईपोलोकसभा संसद पर सबसे कम 2629 वोटों के अंतर से मायावाड़ी पार्टी के प्रत्यक्षी ने जीत हासिल कर उठाकर प्रदेश में लिकाह मतों से जीतने का गीतव क्याव।

लोकसभा चुनाव मात्रानन्दन के बद्द हुई मतामत के दौरान कई सीढ़ी पर दिलचस्प मुश्किल देखने को मिला। प्रदेश को आधा दर्जन वोटों से जीत-जापा कर आवार चौथे हजार से भी कम रहे। हाईपोलोकसभा संसद पर समाजवाड़ी पार्टी के प्रत्यक्षी अंजेन्ड्र सिंह लोही ने आवार के केंद्र पुष्टि प्रदेश में चुनाव 2629 मतों से हासिल की है। यह प्रदेश में सबसे कम मतों के अंतर से जीत हासिल की है। अंजेन्ड्र सिंह को 490683 वोट मिले तो कुंवर पुष्टि प्रदेश में 488054 मत हासिल हुए। इसी तरह फर्नायाबाद संसद पर भाजपा प्रत्यार्थी मुकेश राजपूत ने 2678 मतों से सबसे प्रत्यार्थी द्वा नकल किये जानकार को पराजित किया। मुकेश राजपूत को 487963 वोट मिले तो द्वा नकल किये जानकार को 485285 वोट मिले हैं।

बांगालव वोट पर भी भाजपा को महज 3150 मतों के अंतर से जीत हासिल हुई है। यह भाजपा के कामोंदार पालवान को 428693 मत मिले हैं तो काहिस के सदल प्रसाद को 425543 मत मिले। हाईपोलोकसभा संसद पर सबसे प्रत्यक्षी रमलीलकर याजमान को महज 3573 मतों से जीत हासिल हुई है। यह रमलीलकर याजमान को 405472 मत मिले वही भाजपा के गीतदर

■ हाईपोलोलोकसभा संसद पर भाजपा के प्रत्यक्षी प्रेतल ने महज 4332 मतों के अंतर से जीत हासिल की। यह प्रत्यक्षी प्रेतल को 452603 वोट मिले हैं जो सब के असराव

कुलबाजा को 401899 मत मिले। इसी तरह फूलपुर लोकसभा संसद पर भाजपा के प्रत्यक्षी प्रेतल ने महज 443743 मतों के अंतर से जीत हासिल की। यह प्रत्यक्षी प्रेतल को 448268 वोट ही मिले। इसके अलावा धौरडगा संसद पर सब को महज 44449 मतों से जीत हासिल हुई। यही मतों के अंतर भजपीया को 443743 वोट नीमधवन की रेखा वर्षा को 439294 मत ही हासिल हुए। इसी तरह नीमधवन की रेखा उत्तर प्रदेश में सहायिता मतों से जीते जीत हासिल की है। यह पर भाजपा के दा. मोहन लामा ने 457829 मत पाकर 559472 मतों के अंतर से जीत हासिल की है। यह पर सब प्रत्यक्षी लामा को महेन्द्र सिंह नारा को महज 298357 मत ही मिल सके।

जीत का दूसरा विकार्त काहिस के खुल गाँड़े ने गायबेती भीट पर बनवा है। इसमें 687649 मत हासिल कर भाजपा संसदकर के भीटी दिनां प्रत्यक्षी मिले 390030 के अंतर से पराजित किया। दिनेश प्रताप सिंह ने महज 297619 मत ही हासिल हो सके। इसके बाद गायबेती का नवर अल्ला है। यह पर भाजपा प्रत्यक्षी अनुल गंगे के काहिस की उत्तीर्ण नर्म और 336965 मतों के अंतर से पराजित किया।

अनुल गंगे को 854170 मत तो डालवी शर्मा को 517205 मत ही मिले। भाजपा की हेमायालीनी ने भी महात्मा संसद में काहिस के मुकेश घरवत को 293407 मतों के अंतर से पराजित किया। यह हेमायालीनी को 510064 मत मिले हैं मुकेश घरवत को 216657 वोट ही मिले। इसके बाद ही बुलन्दशहर में जीत हासिल का ओर 275134, आपा में 271294, मैनपुरी में 221639, बाराष्ठी में 215704 रहा है।

## राष्ट्रीय सहारा

# विधानसभा में नहीं दिखेंगे सांसद बने नौ विधायक

### ■ कमल विवारी

लखनऊ। एसएनबी के बाद यूपी में उन महिने के भीट एक और चुनव की चुनिकद पढ़ गयी है। इस बारे उत्तर प्रदेश विधानसभा के नी व विधान परिषद के एक सदस्य ने लोकसभा चुनाव जीता है। इन सभी के देश को सभी पढ़ी विधायक में जीते हुए उनके विकास थेहड़े में विधानसभा के उपचुनाव होने और सदन की पूरी उपर्युक्त ही कठन जारी होने। इनमें नेता विधायी दल अखिलेश कुमार भी शामिल हो सकते हैं। वह घोषणाजैसे से लोकसभा के लिए तृप्ति गये हैं। अभी उनको यह वर करना कि संसद रहेंगे या विधायक।

दैसे भी लोकसभा के साथ यूपी में 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में भाजपा व सभा ने दो-दो सीट जीती है।

लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले छह विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। लोकसभा चुनाव के बाद फूलपुर, दीर्घ, गोविंदगढ़, भीरापुर, अयोध्या, काशी, कट्टौरी, कुन्दरखेड़ी, याताबद में उपचुनाव होने वाले हैं। फूलपुर के विधायक प्रवीण पटेल इसी लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुने गये हैं। योगी सरकार में मंत्री व अंतीम भी नीर सीट से विधायक अनुप प्रवान भी अब लोकसभा में नजर आयें। गोविंदगढ़ से विधायक अनुल गांव भी संसद बन गये हैं। वह योगी सरकार में भी रहे हैं और केन्द्र की ओरी सरकार के लिए भी चुनाव में हैं। भट्टीरी भी मंड़कन सीट से विधायक विकास कुमार विहंग भी अब संसद तृप्ति गये हैं और इस सीट पर भी उपचुनाव की चुनिकद विवर हो रही है।

### ■ फिर बजेगा उपचुनाव का दिवाल

■ लोकसभा चुनाव में उत्तरे थे 15 विधायक व तीन एमएलसी

आशालाली के विधायक चंद्र लैलून के सांसद बन जाने से यूपी विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होगा। सभा के राजीव अच्छल अखिलेश काठव अभी कलहल सीट से विधायक हैं और उत्तर प्रदेश विधानसभा में जीते विरोधीदल भी। वह कनीज में लोकसभा सदस्य चुने गये हैं। उनके कलहल सीट खाली करने पर वहाँ भी उपचुनाव हो सकता है। इसी तरह फैजाबाद से सोलह तृप्ति विधायी प्रसाद भी अब यूपी विधानसभा में अपनी काठर में रहने विधायकी की सीट खाली होने पर उपचुनाव होगा।

अम्बुदकरनपुर की कट्टौरी विधानसभा सीट से विधायक लक्ष्मी कर्मा को विधानसभा में वर्द्ध स्थान रही है, लैलून वह भी संसद बन चुके हैं और उनकी सीट विधान सभा पर उपचुनाव होने वाली विधायक की बेंच पर अब वह बहुत दिखते। इसी काठे में मुरादगढ़ की बुद्धरुक्षी भी पर भी उपचुनाव होना तय है। यह के विधायक विवरसंसद योग्य सभान लोकसभा सीट पर जीत दर्ज कर यूपी विधान पारिषद के तीन सदाचार कावल मेंदान में है। इसमें योगीजील से जीत दर्ज कर विधायक प्रदेश लोकसभा पहुंच गये हैं। उनके लोकसभा तृप्ति जाने से योगी कैविनेट में भी बदलाव होगा। भले ही अभी उनके काम कियो अब मंत्री के विधे कर रिहे जाएं। को प्रदेश केन्द्र में मंत्री भी रह चुके हैं और इस बार मोदी-3 में भी उनके मंत्री बनने की चाही तृप्ति हो गयी है। दो एकलाली सकेन विधान सभा व दिनेश प्रताप सिंह को हार का सम्बन्ध करना पड़ा। इसके साथ ही विधायक राजदान मेहराज, मिकी चोलत, बैरन्द चौधरी, और कुमार वो लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

आज

## सफल निर्वाचन के लिए मतदाताओं का आभार- मुख्य चुनाव अधिकारी

लखनऊ। 18वें लोकसभा सामान्य निर्वाचन तथा विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के सफल और सकुरात्तल समापन के बाद प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिंगवा ने सभी मतदाताओं निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्यक्रमों, सुरक्षा कार्यक्रमों तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दलों और प्रापाशियों के प्रति हार्दिक आभार घ्यक्त किया है। उन्होंने मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन से सम्बन्धित गतिविधियों को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने के लिए सभी भीड़िया संस्थानों एवं उनके प्रतिनिधियों का भी आभार घ्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दौरान नई तकनीकों एवं नवाचारों का समावेश किया गया। बोटर हेल्प लाइन, सी.विजिल, बोटर टर्नआउट, सहम, सुविधा, केवाईसी जैसे नोवाइल एप का प्रयोग करके अनेक नवाचार भी किए गये।

आज

यूपी के आठ विधायकों समेत विधानसभा के नौ सदस्य बने सांसद

प्रिया है। वह आकर्षीय सीट से सफल होने के बाद वह अपनी भौमिका अवधि के लिए रहने की इच्छा करती है। उसका नियमित जीवन में वह अपनी भौमिका के लिए अपनी व्यक्तिगत विवरणों को बदलने की ज़रूरत नहीं है। उसका नियमित जीवन में वह अपनी भौमिका के लिए अपनी व्यक्तिगत विवरणों को बदलने की ज़रूरत नहीं है।

को 1,21,494 मर्ती से हराया। इसी तरह, अंडेलकरगंग के कट्टोटी से विधायक वरिष्ठ सपा नेता लालबी वर्मा ने अंडेलकर नगर लोकसभा सीट पर भाजपा के रिपोर्ट परीक्षा को 1,37,247 मर्ती के अंतर से हराया। महाराजगंग विले के फारदा से कांग्रेस विधायक बोर्ड चौधरी ने

## उपचुनाव

महाराजगंग लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था मगर वह केंद्रीय मीडिया प्रेक्षकों द्वारा खाली परीक्षा घोषित हो गई थी और 35,451 मर्ती से हराया गया। अपनी-अपनी लोकसभा सीटों से जीतने वाले अंडेलकर विधायकों में उद्धव शर्मा विधायक सभा से भाजपा विधायक प्रकाश पटेल भी खाली परीक्षा है। उद्धव शर्मा विधायक विले को फूलपुर लोकसभा सीट 3,32,32 मर्ती के अंतर से जीतने वाले नया बोका है। इसी तरह गाँधियावाद विधायक सभा सीट से भाजपा विधायक अब्दुल गफ्फार ने गाँधियावाद लोकसभा सीट 3,36,965 मर्ती से जीती। विधायक पार्टी के विधायक एवं दूसरा विदेशी भारता के टिक्का पर परीक्षा लोकसभा सीट 44,072 मर्ती के अंतर से जीती। निनेद भट्टराम विदेशी भारता के विधायक पार्टी की विधायक विधायक सभा से हराया